

ମରାଜୀଏଠି

ଫତାହି

୩୧

dy 220 → ୨୦ ୫ ୧୦୯

୩୧

*...and the last
Chittrao Chiman Pratishthi*

1935-1936

26

98

~~राज्याधितानमन्त्येष्टे~~

~~सम्बद्धात्मकापि~~

४१५

କେତେବେଳାପରିଷ୍ଠମୁଣ୍ଡଲାମଦ୍ଦୟ

नैरान्तर्यु व्याप्तिमें रसमण्डु नविन्द्रियम्

~~महाराष्ट्र विधान सभा अधिकारी~~

ନେତ୍ରରୁକୁ ମିଳାଇଲେ

अमरगालेश्वरमहादेव

କୋରିବାରୀ ମୁହଁ ପତ୍ରରେ ମନ୍ଦିର

~~କୁଳାତମନରେ ପାଞ୍ଚ ଉପାଧିକାରୀ~~

~~মুক্তি দেন মুক্তি দেন মুক্তি দেন~~

ମତ୍ୟପାଠମଳ୍ଲେଜାମୀଶୁର

ଶୁଣୁ ମହାପାଦି ଦେଖିଲୁ ଅରତି

6

~~ওখানো হৈবে~~ মুসলিম

~~ପାତ୍ରମାନଙ୍କାରୁମହାତ୍ମା~~

ପାତ୍ରଙ୍କିଳିନୀରୁହିନୀରୁହିନୀ

ସମ୍ବନ୍ଧରେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା

କୁର୍ଯ୍ୟମତଦାତାରୀନ୍ଦ୍ରାଧାରୀମହା

~~दुर्भाग्यमिति अस्मिन् विषये विवेचनं~~

ଶାପମାତ୍ରା ଯାସିନୀ

ବେଳାପରିମଧୀନ କାଳୀ

~~ବେଳାମନ୍ତିର ମହାତ୍ମାଙ୍ଗାନ୍~~

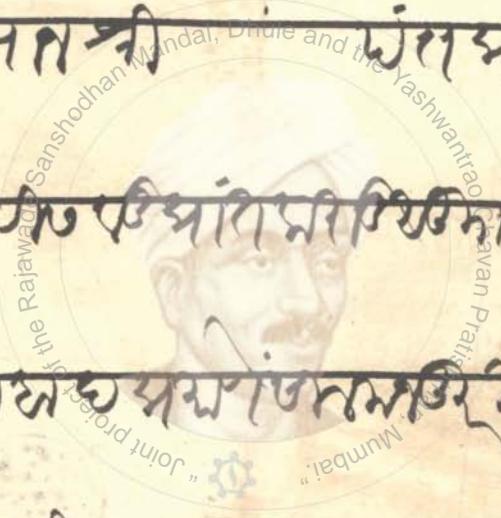
དྲୟ དྲୟ དྲୟ དྲୟ དྲୟ དྲୟ དྲୟ དྲୟ

ବେଳାମନ୍ତରିଣୀ

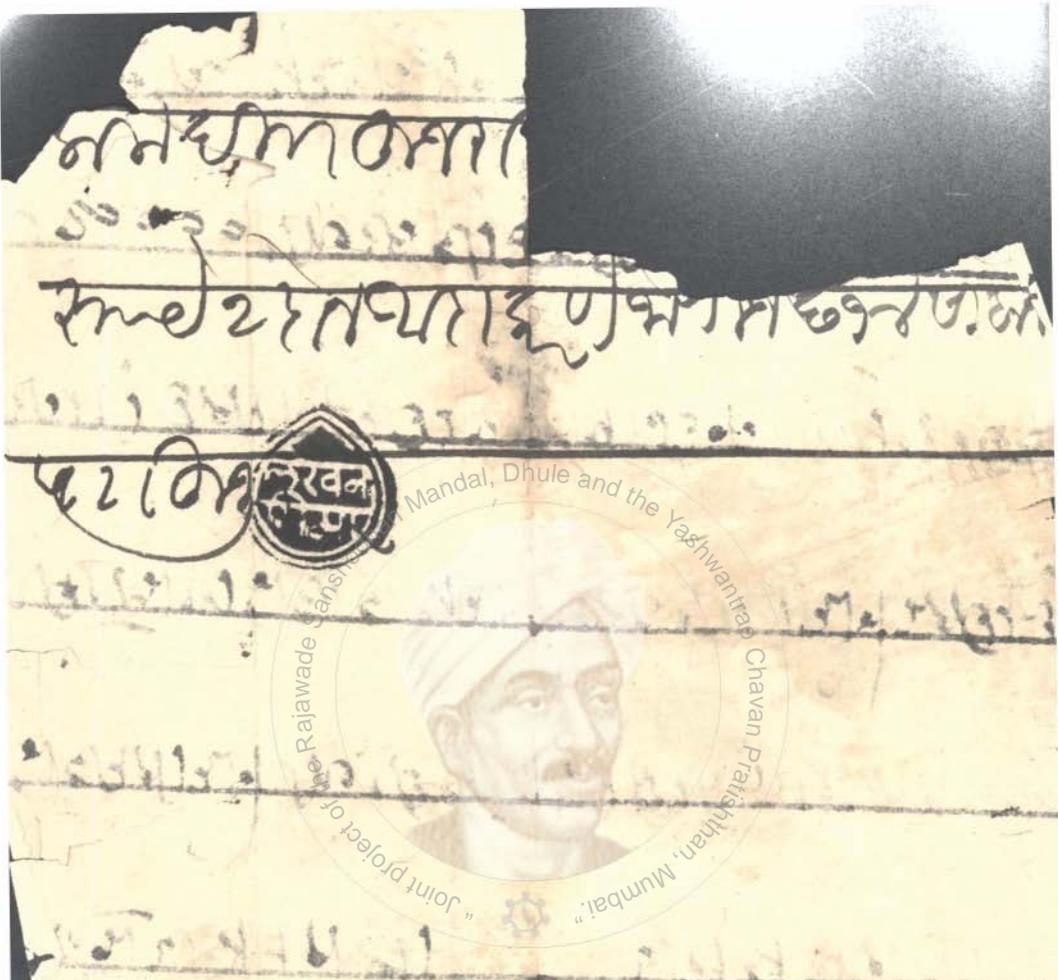
(5)



१३३



राजायान्त्रिक संस्कृत विद्यालय
जैवल्यपुरी मुंबई



(6)

(8)

~~प्रेमसाहस्रनाम~~

~~कृष्णसाहस्रनाम~~

of the Rajahade Sansodhan Mandal, Dhule and the
Yashwantrao Chavali Pratishibha Member,
"Joint Director"

~~अग्रिमद्विषयकालमेव~~

۷۰

706

उत्तराश्रीकृष्णयोजाजियाम
 द्वारागांधर्यं कृष्णरेष्टु
 दामन्त्र्यमीपद्मरामापीपश्चाम
 तुराश्रीयज्ञेश्वर्योक्त्यामोद्यवाय
 मामाद्विनामभ्यास्तेऽलेपत्तिरा
 (11A) यत्तिकाभ्यागर्यायांप्राप्याम
 यत्ताश्रीमंत्रामक्रायहित्यराम
 प्रकृत्यहित्यरामोद्यमद्विरेष्ट
 अद्याम्नातीयसीत्याद्यायकेष्ट
 प्राप्तिकामित्यामित्यामित्याम
 द्वितीयामित्यामित्यामित्याम
 (11B) -
 प्राप्तिकामित्यामित्यामित्याम
 द्वितीयामित्यामित्यामित्याम
 द्वितीयामित्यामित्यामित्याम
 द्वितीयामित्यामित्यामित्याम
 द्वितीयामित्यामित्यामित्याम
 द्वितीयामित्यामित्यामित्याम
 (11C) -
 द्वितीयामित्यामित्यामित्याम
 द्वितीयामित्यामित्यामित्याम
 द्वितीयामित्यामित्यामित्याम

१२१
विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु
विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु
विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु
विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु

१२२)

१२२
विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु
विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु
विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु
विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु

१२३)

१२३
विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु
विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु
विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु
विष्णु विष्णु विष्णु विष्णु

(13)

卷之三

四

~~कामदेव~~ द्विरम द्वैस्तुष्टुपाक्षिप्त

~~मात्रा विद्या का अध्ययन~~

३२४८ पुस्तकालय ब्रिटिश महाराष्ट्र

କରିବାକୁ ମାତ୍ରାକୁ ପାଇଲା ଏହାକିମ୍ବାନୀ

३८५ विष्णुविद्या उपासना विभागीय शक्ति

130

~~यम एवं विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति विद्युति~~

~~1234567890-1234567890~~

— 2 —
Dhule 25

Chavara

Ushahn Mun
Preliminary

~~स्त्रीमन्त्रादिरूपादेशं~~

ପ୍ରମାଣିତ କରିବି ପାଇଲୁ ଯାଏନ୍ତି

पितृपाद्युषे रुद्रिमा यत्तीविज्ञन अस्तीष्वरु

100

2004 Sept 20

अन्यायादप्रतिपाद्यद्वयम् ॥

༄༅ ། བୋ དୋ རୋ དୋ དୋ

अस्मिन्देव गुप्ती भृत्या एवं अस्मिन्देव

(74)

द्वारे इसी समय में यह दृष्टि का अवलोकन हुआ

जिसके बाहर एक निश्चित विषय का उल्लेख हुआ

(75A)

कृष्ण ने जब विषय का उल्लेख किया

परंपरा के विषय का उल्लेख किया

जिसके बाहर एक निश्चित विषय का उल्लेख हुआ

जिसके बाहर एक निश्चित विषय का उल्लेख हुआ

(75B)

जिसके बाहर एक निश्चित विषय का उल्लेख हुआ

(75C)

जिसके बाहर एक निश्चित विषय का उल्लेख हुआ

(75D)

जिसके बाहर एक निश्चित विषय का उल्लेख हुआ

अरिन्देवतुमित्यपाप्यदयनवानीतमतिः
 द्यग्निरापूर्वयेति एव विभिन्ना विभिन्ना
 द्यजनक्तिराहयाग्नं द्यरचक्राचरोक्ते रात्रेषु
 लक्षणिष्ठदिव्यान्वयनीतिः सकामदान
 द्याप्तियाऽप्तो द्येष्टैर्जन्मत्युमात्रातिः
 द्यन्मत्तमाप्ताधर्मत्वपेत्याचा
 द्याप्तेष्टद्याप्तो द्यन्मत्तमात्रातिः
 द्यन्मत्तमाप्तो द्यन्मत्तमात्रातिः
 द्यन्मत्तमाप्तो द्यन्मत्तमात्रातिः
 द्यन्मत्तमाप्तो द्यन्मत्तमात्रातिः

Rajawade Sanskrit Project, Dhule and
 Kashwant Rao Chavhan
 Digitized by
 Prof. S. M. Deshpande

(16)

三

903

राजाना सामना द्वारा दिल्ली के लिए यह अप्रैल 1857 को भेजा गया था।

७ एवं विषयात् ।

~~Mr. W. S.~~



9. ~~2020年2月29日~~

तदामुष्टिमित्यात् ॥१२॥

परेत्यनुष्टुप्

नीतिवन्योगि

पाप्ने श्रिवगी । अधीनवेदशा । स्त्रोपि सदाध मरतो पिवा ॥१३॥
नाशकाले संप्राप्ते धर्मसार्गा । च्युतेन बेत् ॥
भविष्यो । कोकि ला श्रीणां चिन्मं हिंदु वैधिं शालुंकः क्षमते पुमान्
अंतं सलिनचितो हिविचरं तिज नौस्त्रियः ॥ अजान प्रभवास्त्री
चनास्तितस्याः शुभाशुभं ॥ ॥ अजः सपुत्र बोलो केदुःखे
स्त्रजतियः स्त्रिये ॥ ॥ अपूज्याः प्रजितायत्र शुभानां च व्यति
क्रमः ॥ त्रीणितत्र भविष्यं तेऽपि अक्षिं मरणं प्रयं ॥

"Joint Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavhan Pratishthan, Mumbai."

१८
५

IC.1831.A.4.N.16.6/23, 20 C.C.
५

• (18)

三

50

• 8

77

८४

३४८

四

३८६) एवं विद्युत विनाशक विद्युत विनाशक

ଦ୍ୱାରା କରାଯାଇଥିଲା ଏହା ଅଧିକାରୀଙ୍କ ପରିମାଣରେ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦିଆଯାଇଛି

କରୁଣାପଦ୍ମନାଭ

दोषादेवित्तुष्टुप्यदाने दोषादेवद्वैरज्यकीये
गम्भीराद्यन्ति-हीमेवात्र देहात्मकागम्भीराप्यस्त
स्थाप्तेऽपवा — प्रेतवा

— द्वितीय

(18F) एवं गोदावरी त्रिपुरा उपर्युक्त अवधि गोदावरी
उपर्युक्त मध्य गोदावरी नदीमें अर्थात् गोदावरी सुन्दरता
गोदावरी गोदावरी वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा
में गोदावरी गोदावरी गोदावरी गोदावरी गोदावरी
उपर्युक्त गोदावरी गोदावरी गोदावरी गोदावरी

三

४ शदोदयाद्युपेताय । उद्देश्येष्वग्रहज्ञाविग्रह
उपेष्ठिष्ठदेवन्मायायास्ताक्षयिष्ठम्भवद्देश्येत
गत्तुर्याद्युपेत्युपेत्यास्ताक्षयिष्ठम्भवद्देश्येत

४ अयोध्या-चेतावनी प्राप्ति सुप्रसिद्ध उत्तम विद्या
५ एवं उपर्युक्त विद्याका विवरण इति

१० दर्शकों ने यहां अपनी राष्ट्रपति नाम से लिखा है।
देव विजय कुमार राष्ट्रपति

ପଦ୍ମନାଭ

अनुवान राजा

रामपुरिष्ठमध्येणोत्तमगम

नमस्तेषु विद्युत्यात्

ପାଦମୁଖରେ କିମ୍ବା ପାଦମୁଖରେ କିମ୍ବା

~~संस्कृतार्थात्~~

ମାନୁଷରେ ପାଇଯାଇଛି

स्वप्नादेश-विद्युत-विभाग

द्वारात्रानीपावीष्टमन्तरा

लिखित दस्तावेज़ों का संग्रह

गुरु गणेश मार्गे १९८०

ପାଦକାଳୀରୁହମନ୍ତରେ

ମାତ୍ରମନ୍ୟାନ୍ତିଷ୍ଠିତ

ପାଇଲୁ କୁଟୁମ୍ବାରୀରୁ ଦେବୀରୀ

દેશાચિત્રા-આચિત્રા

କାନ୍ତିରାମପୁରୀ ମଧ୍ୟାମଧ୍ୟ

गृहीतम्

(18K)



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com